(घ) यह संख्या निम्नलिखित है :—

	कम्प्यूटर	टेलेक्स	टेलीप्रिन्टर	वर्ड प्रोसेसर
अंग्रेजी	4	1	—	—
देवनागरी	—	—	—	—
द्विभाषी	—	—	—	1

राजभाषा अधिनियम के उपबंधों का कार्यान्वयन

353. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह पता लगाने के लिये कभी कोई प्रयास किया गया है कि रक्षा मंत्रालय में राजभाषा अधिनियम के उपबंधों और हिंदी के प्रगामी प्रयोग के वार्षिक कार्यक्रम का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन अभी तक क्यों नहीं किया गया है ;

(ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों तथा हिंदी अनुभाग की फाइलों को छोड़कर ऐसी फाइलों की संख्या कितनी है जिनमें राजभाषा में, अर्थात् हिन्दी में काम किया जा रहा है ;

(ग) रक्षा मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के कितने उपक्रम काम कर रहे हैं और प्रत्येक उपक्रम में राजभाषा स संबंधित कार्य के बारे में क्या स्थिति है ; और

(घ) मन्त्रालय में हिंदी, अंग्रेजी और द्विभाषी कम्प्यूटरों, टेलेक्सों, टेलीप्रिंटरों आदि की संख्या कितनी है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) राजभाषा अधिनियम तथा वार्षिक कार्यक्रम के प्रावधानों के कार्यान्वयन पर तिमाही रिपोर्टों एवं समय-समय पर किए गए निरीक्षणों के माध्यम से बारीकी से नजर रखी जाती है। रक्षा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति और समस्त रक्षा संगठनों में विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रही राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा इस सम्बन्ध में प्रगति की आवधिक समीक्षा की जाती है। राजभाषा के रूप में हिंदी के इस्तेमाल में प्रगति हुई है और इन समीक्षाओं के आधार पर राजभाषा अधिनियम और वार्षिक कार्यक्रम के प्रावधानों का सख्ती से पालन करने और कार्यान्वयन करने के लिये अनुदेश जारी किए जाते हैं ।

(ख) करीब 585 ।

(ग) मन्त्रालय के अधीन आठ रक्षा उपक्रम हैं और उनमें से प्रत्येक, जहां तक सम्भव है, सरकारी अनुदेशों के अनुसार हिन्दी में कार्य करने का क्रमबद्ध प्रयास कर रहा है ।

(घ) मंत्रालय में सात कम्प्यूटर, तीन टेलीप्रिंटर, एक टेलेक्स और सत्रह इलेक्ट्रानिक टाइपराइटर हैं । इन इलेक्ट्रानिक टाइपराइटरों में से केवल पांच टाइपराइटर द्विभाषी हैं, बाकी केवल अंग्रेजी में हैं ।

हिन्दी भाषा का प्रसार

354. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "क" और "ख" क्षेत्रों में राजभाषा अधिनियम की पूर्णत: अवहेलना करते हुए रोमन लिपि के कम्प्यूटरों, टेलेक्स मशीनों और टेलीप्रिंटरों जैसे दर्जनों आधुनिक यंत्रों के आगमन और अबाधित प्रयोग के फलस्वरूप विदेश मंत्रालय में हिंदी के प्रसार का कार्य वर्षों पीछे पड़ गया है और जहां भी टेलेक्स मशीनें लगायी गई हैं वहां से एक भी तार हिंदी में नहीं भेजा गया ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "क" क्षेत्रों में अंग्रेजी टंकण यंत्रों आदि की तुलना में देवनागरी के टंकण यंत्रों, टंककों और आशुलिपिकों की संख्या नहीं के बराबर है जबकि उनकी संख्या 50:50 होनी चाहिये थी ; और